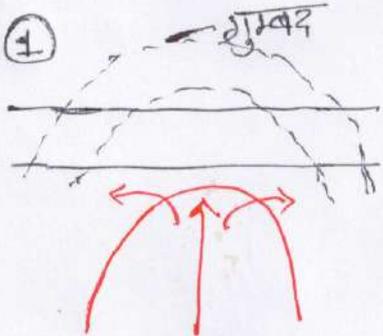


स्वलमंडलीय - भू भौतिकीय घटनाएं

⇒ अपसारी प्लेट :- घटनायें



- उत्थान
- विभंग
- कृष्ट सृजन
- भ्रंशान, रिफ्ट वैली, हॉस्ट
- भूकंप ↑
भ्रंशोत्प
- ज्वालामुखी

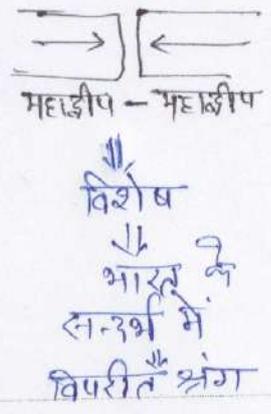
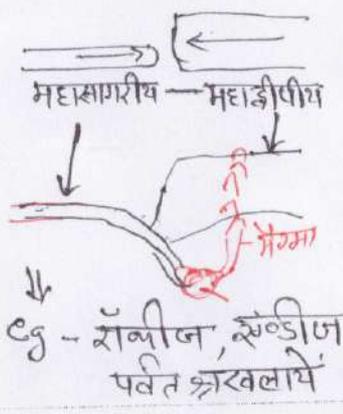


महासागरीय लतह वा



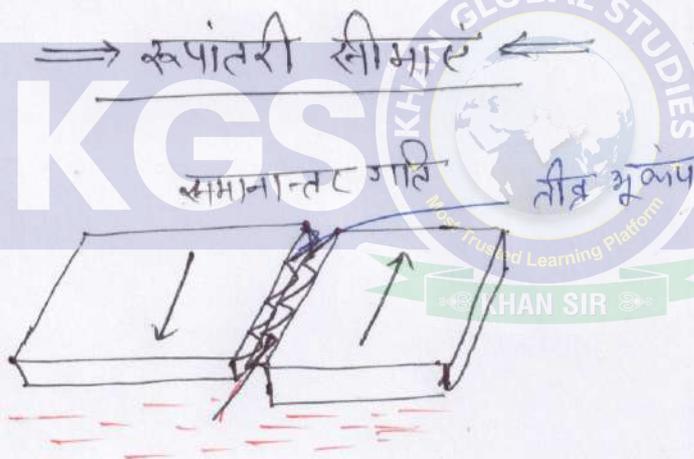
- निमिाि
- सागरीय रिफ्ट → कटक
- डीप निमिाि
- उदाहरण
- ↓
- माइसलैंड

⇒ अभिसारी प्लेट :- उपप्लोट



- संबंधित घटनाएँ :-

- खंडन
- मोड़ (Folding)
- क्षेपण
- गर्त (मेरियाना ट्रेंच)
- भूकंप
- ज्वालामुखी
- द्वीप (Icelandic Arc-चाप)
- सुनामी



↳ सरणी किनारा वह है जिसके सहारे दो क्षेत्र खूब-दूरे को रगड़ते हुए गतिशील हो सकते हैं अथवा न तो अपसरण हो रहा हो न ही अभिसरण।

→ सामान्यतः इस किनारे के सहारे खूब दूरे को रगड़ते हुए विपरीत दिशाओं में गतिशील होते हैं किन्तु यह अनिवार्य नहीं है।

↳ इनके सहारे ट्रेसफॉर्म श्रंश पाये जाते हैं।

ज्वालामुखी: छोट विवर्तनिकी

ज्वालामुखी:- पृथ्वी के तल पर कुछ विशेष स्थानों "मुख्यतः पर्वतों" में मुख के आकार के बड़े-बड़े गड्ढे छिन्नमें से आग की लपेटें, लावा, गली धातुरंग आदि धुरंग सहित निकलते हैं (जैसे- ज्वालामुखी पर्वत)

⇒ ज्वालामुखी का वैश्विक वितरण:-

↳ स्थल निश्चित क्रम में पाया जाता

↳ अधिकतर ज्वालामुखी सुनिश्चित पेटियों में पाये जाते हैं (मुख्यतः सक्रिय ज्वालामुखी)

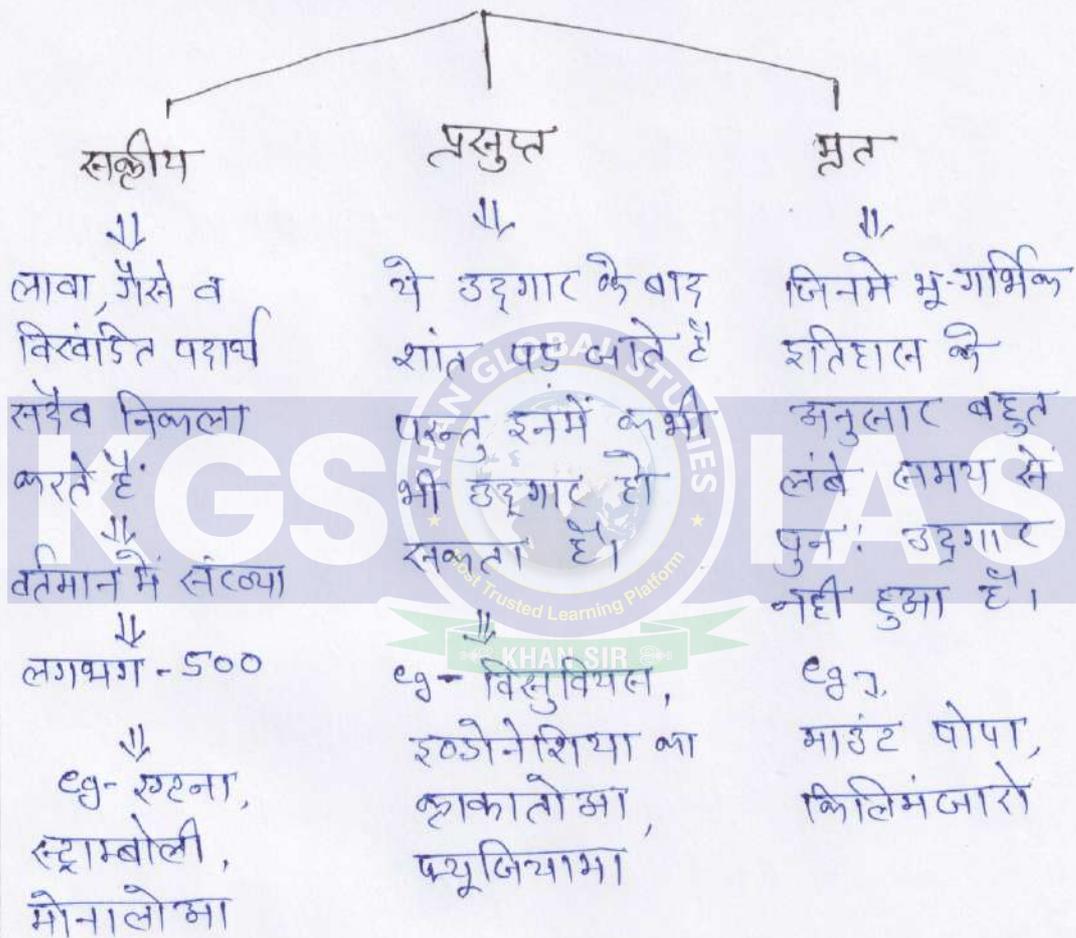
↳ लगभग दो-तिहाई ज्वालामुखी पुरात महासागर को घेरे हुए हैं। एवं शेष नवीन मोडरन पर्वतों के क्षेत्र में (हिमालय को छोड़कर), गहरे सागरों एवं श्रंश घाटियों में स्थित हैं।

- (i) परिप्रांत मेखला
- (ii) मध्य महादीपीय पटी
- (iii) अफ्रीका का श्रंश घाटी क्षेत्र

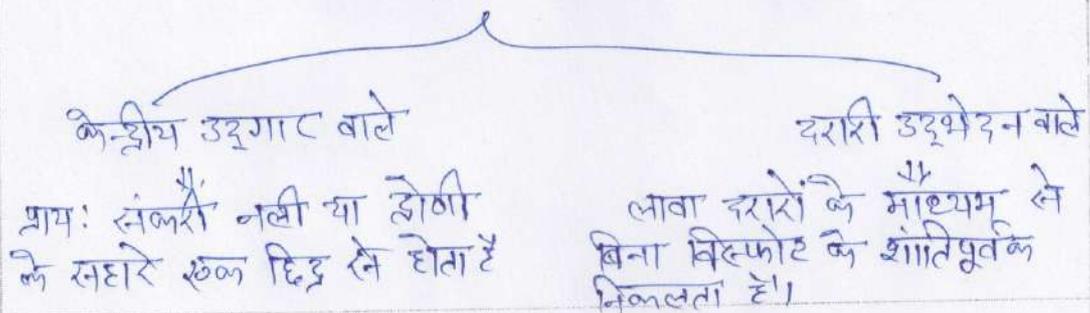
♦

- (iv) बंध्य जटलाटिक मेरवला
(v) अन्तरा स्लेट ज्वालामुखी

ज्वालामुखी के प्रकार



ज्वालामुखी: उद्गार के आधार पर



⇒ ज्वालामुखी : स्वलाकृतियां

↓

जब लावा घातल पर आने से पूर्व ही ठंडा हो जाता है, तब बेवोलिय, लेवोलिय, फेवोलिय, लोपोलिय, सिल, जइक आदि का निर्माण होता है।



~~बेवोलिय~~

⇒ जब लावा एक दरार के माध्यम से निकलता है। तो लावा पठार का निर्माण होता है।

⇒ मध्य महादीपीय ज्वालामुखी :-

